मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है भजन लिरिक्स

मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है,

दुनिया ने बड़ा सताया हूँ,
तेरे दर पर हार के आया हूँ,
कुछ भी नहीं पास है अर्पण को,
दो आंसू चढ़ाने आया हूँ,
मेरी आंखों में ही पढ़ ले श्याम,
क्या मुख से कहना जरूरी है,
यूं ही तो आंसू आए नहीं,
मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी हैं।bd।

मैंने सुना है खाटू में बाबा,
दुखियों के कष्ट मिटाता है,
उसकी सबसे पहले सुनता,
जो पहली बार ही आता है,
मैं भी यही सुन कर आया श्याम,
फिर मुझसे कैसी दूरी है,
यूं ही तो आंसू आए नहीं,
मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी हैं।bd।

तुझे क्या बतलाऊं सांवरिया,
मेरी लाज पर बने आई है,
जो भी तेरे दर आया है,
तूने सब की लाज बचाई है,
फिर मेरी अर्जी को अब तक,
क्यों ना मिली मंजूरी है,
यूं ही तो आंसू आए नहीं,
मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी हैं।bd।

अगर तुम ना सुनोगे बाबा तो,
ये दुनिया बातें बनाएगी,
तेरे नाम के ताने दे दे कर,
ये मुझको बड़ा सताएगी,
और कितना रोए 'बहादुर' की,
और कितनी परीक्षा अधूरी है,
यूं ही तो आंसू आए नहीं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दुनिया ने बड़ा सताया हूँ,
तेरे दर पर हार के आया हूँ,
कुछ भी नहीं पास है अर्पण को,
दो आंसू चढ़ाने आया हूँ,
मेरी आंखों में ही पढ़ ले श्याम,
क्या मुख से कहना जरूरी है,
यूं ही तो आंसू आए नहीं,
मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी है,
मेरी कुछ तो श्याम मजबूरी हैं।bd।

Singer – Bahadur Saini
Upload By – Keshav
8708012470

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com